गौर झिलमिल देह
जैसे हिल रही हो।

(क) काव्यांश में प्रयुक्त उपमानों का उल्लेख किजिए।

(ख) काव्यांश में प्रयुक्त अलंकारों को स्पष्ट कीजिए?

(ग) काव्यांश की भाषागत विशेषताओं की चर्चा कीजिए।

अथवा

रक्षाबंधन की सुबह रस की पुतली
छायी है घटा गगन की हलकी - हलकी
बिजली की तरह चमक रहे है लच्छे
भाई के है बाँधती चमकती राखी।

(क) प्रयुक्त अलंकारों को स्पष्ट कीजिए।

(ख) भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए?

(ग) भाषागत विशेषता एवं छन्द की चर्चा कीजिए।।

9. निम्न लिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3+3 =6)

(क) दूरदर्शन वाले कैमरे के सामने किसी दुर्बल को क्यों लाते हैं?

(ख) शोकग्रस्त माहौल में हनुमान के अवतरण को करुण रस के बीच वीर रस का आविर्भाव क्यों कहा गया है?

(ग) 'रस का अक्षय पात्र' से कवि उमाशंकर जोशी ने रचनाकर्म की किन विशेषताओं की ओर इंगित किया है?

10. नीचे दिए गए गद्यांशों को पढ़िए और किसी एक पर आधारित प्रश्नों के जवाब दीजिए। (4X2=8)

बाज़ार में एक जादू है। वह जादू आँख की राह काम करता है। वह रूप का जादू है। पर जैसे चुंबक का जादू लोहे पर ही चलता है, वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है। जेब भरी हो, और मन खाली हो, ऐसी हालत में जादू का असर खूब होता है। जेब खाली पर मन भरा न हो, तो भी जादू चल जाएगा। मन खाली है तो बाज़ार की अनेकालनेक चीज़ों का निमंत्रण उस तक पहूँच जाएगा। कहीं हुई उस वक्त जेब भरी तब तो फिर वह मन किसकी मानने वाला है। मालूम होता है यह भी लूँ, वह भी लूँ।

(क) लेखक ने क्यों कहा कि बाज़ार में एक जादू है?

(ख) बाज़ार के जादू की क्या मर्यादा है?

(ग) 'मन खाली होने' से क्या अभिप्राय है ? यह खालीपन बाज़ारवाद को कैसे बढ़ावा देता है?

(घ) आज का उपभोक्ता जेब खाली होने पर भी खरीदारी करता है, यह समाज की किस प्रवृत्ति की ओर संकेत करता है? आप ऐसा क्यों मानते हैं

अथवा

शिरीष तरु सचमुच पक्के अवधूत की भाँति मेरे मन में ऐसी तरंगें जगा देता है जो ऊपर की ओर उठती रहती हैं। इस चिलकती धूप में इतना सरस वह कैसे बना रहता है? क्या ये बाह्य परिवर्तन - धूप, वर्षा, आँधी, लू-अपने आपमें सत्य नहीं है? हमारे देश के ऊपर से जो यह मार - काट, अग्निदाह,